प्रश्न: भू-राजनीति (Geopolitics) से आप क्या समझते हैं? इसके प्रमुख सिद्धांतों और वेनेजुएला जैसी वर्तमान वैश्विक समस्याओं के संदर्भ में इसका विश्लेषण कीजिए।

उत्तर:

जब हम अंतरराष्ट्रीय राजनीति को समझने की कोशिश करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान नेताओं के वक्तव्यों या उनकी विचारधारा पर होता है। लेकिन सच तो यह है कि इन सबके पीछे एक 'साइलेंट प्लेयर' काम कर रहा होता है, जिसे हम भूगोल कहते हैं। **भू-राजनीति** असल में वही चश्मा है जिससे हमें यह दिखता है कि किसी देश की जमीन, उसके समुद्र और उसके नीचे दबे संसाधन उसकी राजनीति को कैसे प्रभावित करते हैं। नेपोलियन ने बहुत साल पहले एक पते की बात कही थी कि "किसी देश की विदेश नीति उसके भूगोल से तय होती है," और आज की दुनिया में यह बात सोलह आने सच साबित हो रही है।

अगर हम इस विषय की जड़ें टटोलें, तो फ्रेडरिक रेटजेल और रुडोल्फ केजेलेन जैसे विद्वानों ने इसे शुरू किया था। रेटजेल ने तो यहाँ तक कह दिया था कि राज्य कोई जड़ चीज नहीं है, बल्कि एक जीवित प्राणी की तरह है जिसे बढ़ने के लिए जगह चाहिए।

इस अवधारणा को गहराई से समझने के लिए हमें दो बड़े सिद्धांतों को देखना होगा। एक तरफ **हैलफोर्ड मैकिंडर** थे, जिन्हें जमीन की ताकत पर भरोसा था। उन्होंने रूस और मध्य एशिया के इलाके को 'हार्टलैंड' कहा और दावा किया कि जो इस हिस्से पर कब्जा करेगा, वही पूरी दुनिया का मालिक होगा। दूसरी तरफ **अल्फ्रेड थायर महान** थे, जिनका मानना था कि असली ताकत समुद्रों में छिपी है। आज अगर हम देखें तो अमेरिका का दबदबा काफी हद तक महान के उसी 'सी-पावर' (Sea Power) के सिद्धांत पर टिका है क्योंकि उसकी नौसेना दुनिया के हर समुद्री रास्ते पर नजर रखती है।

आज के दौर में भू-राजनीति केवल नक्शों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह **'रिसोर्स पॉलिटिक्स' (Resources Politics)** बन चुकी है। इसका सबसे बड़ा और दर्दनाक उदाहरण वेनेजुएला है। वेनेजुएला दुनिया का वह देश है जिसके पास सबसे ज्यादा तेल का भंडार है, लेकिन यही तेल उसके लिए जी का जंजाल बन गया।

जब वेनेजुएला के राष्ट्रपतियों, खासकर **ह्यूगो चावेज़** ने यह तय किया कि वे अपने देश के तेल का इस्तेमाल अपने लोगों के लिए करेंगे और पश्चिमी देशों की बड़ी तेल कंपनियों के मुनाफे में कटौती करेंगे, तब से ही वह देश बड़ी शक्तियों की 'शतरंज की बिसात' बन गया। 2002 में चावेज़ के खिलाफ जो तख्तापलट की कोशिश हुई और उन्हें कुछ समय के लिए **बंदी (Detain)** बनाया गया, उसके पीछे कोई लोकतंत्र बचाओ आंदोलन नहीं था, बल्कि

वहां के तेल पर दोबारा कब्जा करने की एक सोची-समझी भू-राजनीतिक साजिश थी।

आज भी वेनेजुएला में जो आर्थिक नाकाबंदी और राजनीतिक अस्थिरता हम देख रहे हैं, वह दरअसल इसी भू-राजनीति का हिस्सा है। एक तरफ अमेरिका और उसके साथी देश हैं, तो दूसरी तरफ रूस और चीन मादुरो सरकार का साथ दे रहे हैं। यह कोई विचारधारा की लड़ाई नहीं है, बल्कि तेल की पाइपलाइनों पर नियंत्रण की जंग है। वेनेजुएला का उदाहरण हमें सिखाता है कि अगर आपके भूगोल में कीमती संसाधन हैं और आप महाशक्तियों की बात नहीं मानते, तो आपकी संप्रभुता हमेशा खतरे में रहेगी।

निष्कर्ष

अंत में हम यही कह सकते हैं कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन किसी देश का भूगोल नहीं बदलता। चाहे वह यूक्रेन का युद्ध हो (जो रूस के लिए अपनी सीमाओं की सुरक्षा से जुड़ा है) या वेनेजुएला का तेल संकट—इन सबके केंद्र में भूगोल ही है।भू-राजनीति हमें यह सिखाती है कि दुनिया में कोई भी दोस्ती या दुश्मनी स्थायी नहीं होती, केवल 'राष्ट्रीय हित' स्थायी होते हैं, और वे हित हमेशा उस देश की भौगोलिक स्थिति से बंधे होते हैं।

~•~

Question: What do you understand by Geopolitics? Analyze it in the context of its major principles and current global problems like Venezuela.

Answer:

When we try to understand international politics, our attention is often drawn to the statements of leaders or their ideologies. But the truth is that behind all this, a 'silent player' is at work, which we call geography. Geopolitics is essentially the lens through which we see how a country's land, its seas, and the resources buried beneath it influence its politics. Napoleon said something very pertinent many years ago that "A country's foreign policy is determined by its geography," and this statement is

proving absolutely true in today's world.

If we explore the roots of this subject(Geopolitics), scholars like Friedrich Ratzel and Rudolf Kjellén initiated it. Ratzel even went so far as to say that a state is not an inert object but like a living organism that needs space to grow.

To understand this concept deeply, we must look at two major theories. On one side was Halford Mackinder, who believed in the power of land. He called the area of Russia and Central Asia the 'Heartland' and claimed that whoever controls this area will be the ruler of the entire world. On the other side was Alfred Thayer Mahan, who believed that the real power lay hidden in the seas. If we look today, America's dominance is largely based on Mahan's 'Sea Power' theory, as its navy monitors every sea route in the world.

In today's era, geopolitics is not limited merely to maps; it has become 'Resource Politics'. The biggest and most painful example of this is Venezuela. Venezuela is the country in the world with the largest oil reserves, but this very oil has become a curse for it.

When Venezuelan presidents, especially Hugo Chávez, decided that they would use their country's oil for their people and cut the profits of big Western oil companies, the country became a 'chessboard' for major powers. The attempted coup against Chávez in 2002, which resulted in him being detained for some time, was not a pro-democracy movement, but a calculated geopolitical conspiracy to re-establish control over its oil.

The economic blockade and political instability we see in Venezuela today are, in fact, part of this very geopolitics. On one side are the US and its allies, and on the other, Russia and China are supporting the Maduro government. This is not a battle of ideologies but a war for control over oil pipelines. The example of Venezuela teaches us that if your geography contains valuable resources and you do not comply with the

superpowers, your sovereignty will always be at risk.

Conclusion

In conclusion, we can say that governments come and go, but a country's geography does not change. Whether it is the war in Ukraine (which is linked to Russia's border security) or the oil crisis in Venezuela—geography is at the center of all of them. Geopolitics teaches us that no friendship or enmity in the world is permanent; only 'national interests' are permanent, and those interests are always tied to the country's geographical location.

~•~